केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंक का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

ST-16 A

②

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक - 1

i) नहीं दिया जाता।
ii) त्याग अनुपात
iii) 2:1
iv) उसके भाग की ख्याति से
v) 10% से
vi) पूँजी आरक्षित में

प्रश्नक्रमांक - 2

i) चालू खाता।
ii) पुनर्गठन।
iii) पुराने लाभ विभाजन
iv) सार्वजनिक
v) रोकड़ तुल्य
vi) घटाया।

BSE

3

योग + पृष्ठ = कुल अंक

प्रश्न क्र.

उत्तरक्रमांक - 3

i) औसत लाभ —
ii) आहरण पर ब्याज — गुणनफल विधि
iii) अधिकृत पूंजी —
iv) स्थिर ब्याज दर — ऋणपत्र का प्रतिफल
vi) द्रवता अनुपात — अल्पकालिक ऋणशोधन क्षमता
vii) प्रचालन से रोकड़ — माल का विक्रय
iv) ऋणपत्र —

'अ'		'ब'
i) औसत लाभ	—	विनियोजित पूंजी
ii) आहरण पर ब्याज	—	गुणनफल विधि
iii) अधिकृत पूंजी	—	सीमा पार्षद नियम
iv) ऋणपत्र	—	दीर्घकालीन ऋण
v) स्थिर ब्याज दर	—	ऋणपत्र का प्रतिफल
vi) द्रवता अनुपात	—	अल्पकालीन ऋणशोधन क्षमता
vii) प्रचालन से रोकड़	—	माल का विक्रय

B
S
E

4

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 4

i) सामान्य लाभ पर वास्तविक लाभ का आधिक्य अधिलाभ कहलाता है,

ii) संचित पूँजी की माँग कम्पनी के समापन पर,

iii) पूर्वाधिकार अंशों को लाभांश भुगतान में प्राथमिकता,

iv) पूँजी संचय पूँजीगत लाभों से बनाया जाता है,

v) अनुसूची III के भाग I के अनुसार तुलन-पत्र,

vi) लाभप्रदता अनुपात (लाभदायकता अनुपात),

vii) विनियोग संबंधी क्रिया-कलाप (विनियोग क्रिया),

BSE

5

कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक - 5

i) असत्य ।
ii) असत्य ।
iii) सत्य ।
iv) असत्य ।
v) असत्य ।
vi) सत्य ।

प्रश्नक्रमांक - 6

~~भारतीय कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 4~~

भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 4 के अनुसार -

"साझेदारी उन व्यक्तियों के बीच का संबंध है, जो किसी ऐसे व्यवसाय के लाभ को आपस में बाँटने के लिए सहमत होते हैं, जो उन सबके द्वारा अथवा उन सबकी ओर से किसी एक के द्वारा संचालित किया जाता है,"

अर्थात साझेदारी से आशय दो या दो से अधिक व्यक्तियों के

'nkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm
योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ के अंक पूर्ण अंक
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

मध्य लाभ बाँटते हुए किसी व्यवसाय के संचालन के लिए किया गया अनुबंध है, इसमे प्रायः साझेदारों के दायित्व असीमित होते हैं, इनके बीच अनुबंध लिखित अथवा मौखिक हो सकता है,

साझेदारी का पंजीयन कराना ऐच्छिक है, अनिवार्य नही।

प्रश्नक्रमांक - 7

स्थिर पूँजी विधि एवं अस्थिर पूँजी विधि मे अंतर -

क्र.	स्थिर पूंजी विधि	अस्थिर पूंजी विधि
i)	इस विधि में साझेदारों के दो खाते खोले जाते हैं - पूँजी खाता, चालू खाता	इस विधि में साझेदारो का केवल एक ही खाता खोला जाता है - पूंजी खाता
ii)	लाभ विभाजन हेतु समायोजनो को चालू खाते मे हस्तांतरित किया जाता है	लाभ विभाजन हेतु समायोजनों को पूँजी खाते मे हस्तांतरित करते है,
iii)	प्रायः पूंजी खाते का शेष स्थिर रहता है,	इसमे पूंजी खाते का शेष बदलता रहता है,

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक - 8

साझेदारों का पुराना अनुपात - (अ) $\frac{3}{9}$ (ब) $\frac{4}{9}$ (स) $\frac{2}{9}$

ब के निवृत्त होने पर शेष साझेदारों का नया अनुपात -

(अ) $\frac{5}{8}$ (स) $\frac{3}{8}$

प्राप्ति अनुपात = नया अनुपात - पुराना अनुपात

अ = $\frac{5}{8} - \frac{3}{9} = \frac{45-24}{72} = \frac{21}{72}$

स = $\frac{3}{8} - \frac{2}{9} = \frac{27-16}{72} = \frac{11}{72}$

अतः प्राप्ति अनुपात 21 : 11 होगा।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

मध्यप्रदेश

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक - 9

फर्म के अनिवार्य विघटन की निम्नलिखित परिस्थितियाँ हो सकती हैं -

i) साझेदारी फर्म का व्यवसाय अवैध घोषित हो जाए,

ii) साझेदारों की संख्या अधिकतम संख्या सीमा से ज्यादा हो जाए,

iii) सभी या एक को छोड़कर सभी साझेदार दिवालिया घोषित हो जाए, फर्म में केवल एक साझेदार बचा हो,

उपर्युक्त परिस्थितियों में फर्म का विघटन होना अनिवार्य विघटन कहलाएगा।

ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 9 के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक- 10

अंश (Share) :- कम्पनी की पूँजी एक निश्चित राशि की जिन विभिन्न इकाइयों में विभक्त रहती है, वे इकाइयाँ ही 'अंश' कहलाती हैं, अर्थात् कम्पनी की पूँजी की न्यूनतम भाग जिसकी राशि निश्चित रहती है, अंश कहलाते हैं।

"पूँजी का वह आनुपातिक भाग, जिस पर प्रत्येक सदस्य का अधिकार होता है, अंश कहलाता है।"

B S E

उदाहरण के लिए एक कंपनी की पूँजी ₹ 1,00,000 है और उसकी पूँजी ₹10 के राशि वाले 10,000 भागों में विभक्त है, तो यह ₹10 का भाग ही कम्पनी का एक अंश कहलाता है।

अंशों के निर्गमन द्वारा कम्पनी जनता से अपनी अंश पूँजी एकत्रित करती है। इन अंशों को क्रय करने वाले कम्पनी के अंशधारी कहलाते हैं।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक - 11

Journal entry
In the Book of TRS Ltd.

Particular	L.F.	Amount ₹	Amount ₹
Share Capital a/c Dr.		1750	
To share allotment a/c			750
To share first call a/c			500
To share forfeiter a/c			500
(Being share forfeited)			

BSE

working note -

Share capital (मांगी गई राशि) 20 + 30 + 20 = ₹70
70 × 25 (अंश)
= ₹1750

Share forfeiter a/c (आवेदन की प्राप्त राशि) = ₹20
25 × 20
= ₹500

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक - 12

पंजीकरण के दृष्टिकोण से ऋणपत्र निम्न दो प्रकार के होते हैं -

i) रजिस्टर्ड ऋणपत्र (पंजीकृत) :- जिन ऋणपत्रों का लेखा कम्पनी के रजिस्टर में किया जाता है, उन्हें पंजीकृत या रजिस्टर्ड या अभिलेखित ऋणपत्र कहते हैं इन ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान ऋणपत्र धारी को ही किया जाता है, जिसका नाम रजिस्टर में लिखा रहता है,

ii) वाहक ऋणपत्र :- ऐसे ऋणपत्र जिनका हस्तांतरण केवल सुपुर्दगी से कर दिया जाता है तथा जिनका लेखा कम्पनी के रजिस्टर में नहीं किया जाता उन्हें वाहक ऋणपत्र कहते हैं इन ऋणपत्रों के ब्याज का भुगतान ऋणपत्रधारी को किया जाता है,

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक - 13 :

वित्तीय विवरणों की प्रकृति निम्नानुसार है -

i) वित्तीय विवरण अभिलिखित तथ्य :- वित्तीय विवरण अन्य खातों से प्राप्त अभिलिखित तथ्यों के आधार पर बनाए जाते हैं। इनका संबंध ऐतिहासिक तथ्यों से होता है जो एक निश्चित अवधि की निष्पादन एवं व्यवसाय की लाभार्जन क्षमता को प्रतिबिम्बित करते हैं।

ii) मौद्रिक रूप में :- वित्तीय विवरण मौद्रिक रूप में तैयार किए जाते हैं, अर्थात, इनमें गुणात्मक पहलू को ध्यान में न रखकर केवल संख्यात्मक / मात्रात्मक अंकों को लिया जाता है।

iii) वित्तीय विवरण लेखांकन प्रक्रिया के अंतिम परिणाम होते हैं।

B S E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक – 14

चालू अनुपात = $\frac{\text{चालू संपत्तियाँ}}{\text{चालू दायित्व}}$

चालू सम्पत्तियाँ = रोकड़ + उपार्जित आय + रहतियाँ + पूर्वदत्त व्यय

= ₹15,000 + ₹5,000 + ₹5,000 + ₹5,000

= ₹ 30,000

चालू दायित्व = बैंक अधिविकर्ष + अदत्त व्यय

= ₹ 20,000 + ₹ 10,000 = ₹ 30,000

चालू अनुपात = $\frac{₹30,000}{₹30,000}$

= 1:1

अतः चालू अनुपात 1:1 होगा।

B
S
E

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक - 15

रोकड़ प्रवाह विवरण :-

एक निश्चित अवधि के लिए घटित हुए समस्त रोकड़ भुगतानों एवं रोकड़ प्राप्तियों के सारांश के रूप में जिस विवरण को तैयार किया जाता है, उसे रोकड़ प्रवाह विवरण कहते हैं।
इसमें रोकड़ के बहिर्वाह एवं अन्तर्वाह को तीन क्रियाओं संचालन से, विनियोग से, वित्तीय क्रियाओं से प्राप्त रोकड़ में विभाजित किया जाता है।
यहाँ 'रोकड़' से तात्पर्य रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यों से है, रोकड़ तुल्य अत्यधिक तरल अल्पकालीन निवेश होते हैं जिन्हें अतिशीघ्र ही रोकड़ में परिवर्तित किया जा सकता है।

अतः रोकड़ प्रवाह विवरण निर्दिष्ट अवधि के रोकड़ भुगतानों (प्रयोगों) एवं रोकड़ प्राप्तियों (स्त्रोतों) की सूचना देता है एवं व्यवसाय के रोकड़ की स्थिति को बताता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक - 17

अंश एवं ऋणपत्र मे अंतर -

क्र.	अंतर का आधार	अंश (Share)	ऋणपत्र (Debenture)
i)	पूँजी	अंशो द्वारा कम्पनी को स्वामित्व पूँजी प्राप्त होती है,	ऋणपत्रों द्वारा कम्पनी को ऋण पूँजी प्राप्त होती है,
ii)	सदस्य	अंशधारी कम्पनी के स्वामी होते है,	ऋणपत्रधारी कम्पनी के लेनदार होते हैं,
iii)	प्रतिफल	अंशो पर लाभांश प्रतिफल स्वरूप मिलता है,	ऋणपत्रों पर ब्याज प्रतिफल स्वरूप मिलता है,
iv)	अधिकार	अंश अंशधारी को व्यवसाय में मत देने का अधिकार देते हैं	ऋणपत्र मत देने का अधिकार नही देते,
v)	प्रकार	अंश दो प्रकार के होते हैं, समता और पूर्वाधिकार अंश,	ऋणपत्र अनेक प्रकार के होते हैं, जैसे - शोध्य ऋणपत्र परिवर्तनशील ऋणपत्र आदि

B S E

प्रश्नक्रमांक - 18

मद	मुख्य शीर्षक	उप-शीर्षक
पेटेन्ट	गैर-चालू सम्पत्ति (सम्पत्ति पक्ष)	अमूर्त स्थायी सम्पत्ति
फर्नीचर	गैर-चालू सम्पत्ति (सम्पत्ति पक्ष)	मूर्त स्थायी सम्पत्ति
व्यापारिक देय	चालू दायित्व (समता एवं दायित्व पक्ष)	व्यापारिक देयताऐं

प्रश्नक्रमांक - 19

वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह के उदाहरण -

i) अंशों के निर्गमन से प्राप्त रोकड़ एवं इन पर लाभांश का भुगतान।

ii) ऋणपत्रों के निर्गमन से प्राप्त रोकड़ एवं इन पर ब्याज का भुगतान।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

iii) पूर्वाधिकार अंशों एवं ऋणपत्रों के शोधन से रोकड़ का बहिर्वाह,
iv) दीर्घकालीन ऋण वित्तीय संस्थाओं, बैंक से लेना,
v) ऋणों का भुगतान रोकड़ का बहिर्वाह,

अन्तर्वाह	बहिर्वाह
अंश निर्गमन से प्राप्त रोकड़	पूर्वाधिकार अंशों का शोधन
ऋणपत्र निर्गमन से प्राप्त रोकड़	ऋणपत्रों का शोधन
ऋण लेना	ऋणों का भुगतान

प्रश्नक्रमांक - 21

त्याग अनुपात एवं प्राप्ति अनुपात में अंतर -

क्र.	अंतर का आधार	त्याग अनुपात	प्राप्ति अनुपात
1.	अर्थ	किसी साझेदार द्वारा जिस अनुपात में अपने लाभ विभाजन अनुपात का भाग त्याग किया जाता है, उसे त्याग अनुपात कहते हैं,	किसी साझेदार द्वारा अपने लाभ विभाजन अनुपात में जिस अनुपात में लाभ का भाग प्राप्त होता है उसे प्राप्ति अनुपात कहते हैं,

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

2.	सूत्र	त्याग अनुपात = पुराना अनुपात - नया अनुपात।	प्राप्ति अनुपात = नया अनुपात - पुराना अनुपात।
3.	लाभ	साझेदार को पूर्व की तुलना मे अब कम लाभ प्राप्त होगा।	साझेदार को पूर्व की तुलना मे अधिक लाभ प्राप्त होगा।
4.	क्षतिपूर्ति	त्याग करने वाले ~~साझे~~ साझेदार को क्षतिपूर्ति की जाती है।	प्राप्त करने वाले साझेदार को क्षतिपूर्ति त्याग करने वाले साझेदार को करनी पड़ती है।
5.	ज्ञात	यह अधिकतर साझेदार के प्रवेश पर ज्ञात किया जाता है।	यह अधिकतर साझेदार के अवकाश पर ज्ञात किया जाता है।
6.	समायोजन पक्ष	नए साझेदार द्वारा ख्याति की राशि नकद न लाने पर पूंजी खातों के समायोजन मे इन साझेदारों का खाता जमा होता है।	ऐसे समायोजन मे इन साझेदारों का पूंजी खाता नाम होता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक - 16

सेवानिवृत्त साझेदार को देय राशि का भुगतान निम्न विधियों से किया जा सकता है -

i) एक मुश्त भुगतान :- जब व्यवसाय में पर्याप्त पूँजी अथवा रोकड़ उपलब्ध होती है तो शेष साझेदार निवृत्त साझेदार को देय राशि का भुगतान एक ही किश्त में पूरा कर देते हैं, राशि का भुगतान बैंक द्वारा कर दिया जाता है। ऐसे में जर्नल प्रविष्टि इस प्रकार हो सकती है -

		₹	₹
Retiring partner's capital a/c	Dr.	----	
To Bank a/c			----
(Being payment paid up of retiring partner in lump-sum)			

ii) किश्तों में भुगतान :- जब व्यवसाय के पास पर्याप्त धन नहीं होगा, तो वह निवृत्त साझेदार की देय राशि का भुगतान किश्तों

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

के माध्यम से भी कर सकते है, इस विधि मे प्रत्येक वर्ष निश्चित किस्त का भुगतान ब्याज सहित किया जाता है अवकाश ग्रहण करने वाले की देय राशि उसके पूंजी खाते से उसके ऋण खाते मे हस्तांतरित कर दी जाती है।

		(Dr) ₹	(Cr) ₹
Retiring Partner's capital a/c	Dr.	-----	
To Retiring Partner's loan a/c			-----
(Being amount of Retiring partner transfer to loan a/c)			

ब्याज का भुगतान ~~करने कर~~ किश्त सहित –

		(Dr) ₹	(Cr) ₹
Retiring Partner's loan a/c	Dr	----	
To Cash a/c			----
(Being installment with interest paid up)			

इसके अलावा वार्षिकी उचन्त खाता खोलकर निश्चित राशि का प्रतिवर्ष भुगतान करके शेष राशि पर ब्याज द्वारा भी भुगतान किया जाता है,

B
S
E

67 + 0 = 67

कुल अंक

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक - 20

लाभ - हानि समायोजन खाता

Dr. Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹ Cr.
	To Interest on capital: A's capital a/c 12,000 B's capital a/c 7,500 C's capital a/c 6,000	25,500		By Balance b/d (Profit)	1,19,250
	To Balance c/d (Net Profit transfer to Partner's capital a/c) A's capital a/c 43,125 (46875 − 3,750) B's capital a/c ~~27,825~~ 28,125 C's capital a/c 22,500 (22,500 = 18750 + 3750)	93,750			
		1,19,250			1,19,250

BSE

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECOND MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCA

प्रश्न क्र.

Working note -

~~Profit after~~ Interest on capital =

अ - $1,20,000 \times \frac{10}{100}$ = ₹ 12,000

ब - $75,000 \times \frac{10}{100}$ = ₹ 7,500

स - $60,000 \times \frac{10}{100}$ = ₹ 6,000 total = 25,500

B S E

Profit after Interes on capital = 1,19,250 - 25,500

₹ 93750

'स' को गारण्टी = 22,500 (स) उसका लाभ = $93,750 \times \frac{2}{10}$

= ₹ 18750

'स' को लाभ ~~ब~~ अ द्वारा दिया जाएगा =

22,500 - 18750 = ₹ 3750

अ को लाभ = 46,875 - 3750 = ₹ 43,125

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक – 22.

अधिलाभ के पूँजीकरण द्वारा ख्याति = $\frac{\text{अधिलाभ} \times 100}{\text{सामान्य प्रतिफल}}$

अधिलाभ = औसत लाभ – सामान्य लाभ

सामान्य लाभ = विनियोजित पूँजी × $\frac{\text{सामान्य प्रति... दर}}{}$

विनियोजित पूँजी = कुल संपत्तियाँ – चालू दायित्व

6,00,000 – 2,80,000

= ₹ 3,20,000

सामान्य लाभ = $3,20,000 \times \frac{10}{100}$

= ₹ 32,000

अधिलाभ = 40,000 – 32,000

= ₹ 8,000

71 + 4 = 75

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARY ... DHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUC

प्रश्न क्र.

ख्याति = $\frac{\text{अधिलाभ} \times 100}{\text{सामान्य प्रतिफल दर}}$

= $\frac{8,000 \times 100}{10}$

= ₹ 80,000

अत: अधिलाभ के पूँजीकरण से प्राप्त ख्याति ₹ 80,000 होगी,

B
S
E

प्रश्नक्रमांक - 23 →

प्रश्न क्र.

Journal Entries

Date	Particular	L.F.	Amount ₹	Amount ₹
	~~Eq~~ Bank a/c [20,000 × ₹2) Dr.		40,000	
	To Equity Share Application a/c			40,000
	(Being amount of application received of 20,000 shares)			
	Equity Share application a/c Dr.		40,000	
	To Equity share capital a/c			40,000
	~~To S~~			
	(Being application money transfer to share capital a/c)			
	Equity Share allotment a/c [20,000 × ₹5) Dr.		1,00,000	
	To Equity share capital a/c (20,000 × 3)			60,000
	To Securities Premium a/c (20,000 × 2)			40,000
	(Being allotment amount with premium due)			
	Bank a/c Dr.		1,00,000	
	To Equity share allotment a/c			1,00,000
	(Being allotment amount received with premium)			

B
S
E

YEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCA

प्रश्न क्र.

Date	Particular		L.F.	Amount ₹	Amount ₹
	Equity share first and last call a/c	Dr.		1,00,000	
	To Equity Share capital a/c				1,00,000
	(Being Equity share first and last call due)				
	Bank a/c [20,000 × 5]	Dr.		1,00,000	
	To Equity share first and last call a/c				1,00,000
	(Being share first and last call money received)				
	Total of Journal			4,80,000	4,80,000

BSE